AGRICULTURAL SYSTEM

कृषि पद्धतियां

LECTURE 1

डा. निसार अहमद

भूगोल बिभाग
राम चरित्र सिंह कॉलेज

Mobile No. :9258408868
Email address: ahmednisaramu@gmail.com

मिट्टी को जोतने कोड़ने तथा फसल उगाने एवं पशुपालन की कार्यप्रणाली, कला एवं विज्ञान को कृषि कहते हैं। कृषि मनुष्य की सबसे महत्वपूर्ण व्यवसाय है क्योंकि इससे समस्त संसार के भोजन वस्त्र तथा आवास की आवश्यकता है पूरी होती है।विद्वानों का विचार है कि कृषि का आरंभ दक्षिण पश्चिमी एशिया में लगभग 4000 ईसा पूर्व हुआ। कुछ विद्वानों का मत है कि मनुष्य कृषि कार्य पाषाण युग से ही करता आया है। कृषि ने मनुष्य को अस्थाई आवास की सुविधा दी। कृषिका मशीनीकरण हो जाने से उत्पादन में वृद्धि हुई और कृषि उत्पादों का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शुरू हो गया। आज संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया,तथा रूस बड़ी मात्रा में कृषि उत्पादों का निर्यात करते हैं जबकि ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड, डेनमार्क, तथा जापान इन वस्तुओं का याद करते हैं।

कृषि पद्धतियां (Agricultural System)-

भूतल पर विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार की भौतिक, आर्थिक तथा सामाजिक परिस्थितियां पाई जाती है। जिस कारण अलग-अलग भागों में अलग-अलग कृषि पद्धतियां अपनाई जाती है। सामान्यतः दो प्रकार की कृषि की जाती है-

जीविकोपार्जी अथवा जीविका कृषि (Subsistence Agriculture)

इस कृषि में कृषक अपनी तथा अपने परिवार के सदस्यों की जीविकोपार्जन के लिए फसलें उगाता है। कृषक अपने उपभोग के लिए वे सभी फसलें पैदा करता है जिनकी उसे आवश्यकता होती है। अतः इस कृषि में फसलों का विशिष्टीकरण नहीं होता हैं। इनमें धान, दलहन, तिलहन तथा सभी का समावेश होता है। विश्व में जीविकोपार्जन कृषि के दो रूप पाए जाते हैं-

(क) आदिम जीविकोपार्जी कृषि- जो स्थानांतरित कृषि के समरूप है।

(ख) गहन जीविकोपार्जी कृषि- जो पूर्वी तथा मानसून एशिया में प्रचलित है। चावल सबसे महत्वपूर्ण फसल है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा, सोयाबीन, दालें तथा तिलहन बोए जाते हैं। यह कृषि भारत, चीन ,उत्तरी कोरिया तथा म्यान्मार मैं की जाती है। इस कृषि के महत्वपूर्ण लक्षण निम्नलिखित हैं-

1. जोत बहुत छोटे आकार की होती है।
2. कृषि भूमि पर जनसंख्या के अधिक दबाव के कारण भूमि का गहनता उपयोग होता है।
3. कृषि की गहनता इतनी है कि वर्ष में दो-तीन तथा कहीं-कहीं चार फसलें भी उगाई जाती है।
4. मशीनीकरण के अभाव तथा अधिक जनसंख्या के कारण मानवीय श्रम का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है।
5. कृषि के उपकरण बड़े साधारण तथा परंपरागत होते हैं परंतु पिछले कुछ वर्षों से जापान, चीन,तथा उत्तरी कोरिया में मशीनों का प्रयोग होने लगा है।

6. अधिक जनसंख्या के कारण मुख्यत: खाद्य फसलें ही उगाई जाती है और चारे की फसलों तथा पशु को विशेष स्थान नहीं मिलता।
7. गहन कृषि के कारण मिट्टी की उर्वरता का ह्रास होता है।मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने के लिए हरी खाद,गोबर,कंपोस्ट तथा रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है। जापान में प्रति हेक्टेयर रसायनिक उर्वरकों की खपत सर्वाधिक है।

To be continued…